जीवो जीवस्य जीवनम्

MADHYA PRADESH STATE BIODIVERSITY BOARD

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड की नीति / MP State Biodiversity Board's Policy

''जन समर्थन से जैवविविधता संरक्षण''

"Biodiversity Conservation with People's Support"

MADHYA PRADESH STATE BIODIVERSITY BOARD, BHOPAL

जैवविविधता प्रबंधन समितियां तथा नर्मदा सेवा यात्रा

मान. मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन द्वारा नर्मदा नदी के अस्तित्व को बचाने की दिशा में ''नर्मदा सेवा यात्रा एवं नर्मदा सेवा मिशन'' प्रारंभ किया गया है, जो कि विश्व के सबसे बड़ा नदी संरक्षण कार्यक्रम के रूप में गिनती में आता है।

इस संदर्भ में बोर्ड के द्वारा मैदानी स्तर पर जैवविविधता प्रबंधन समितियों की भूमिका को नदी संरक्षण में रेखांकित करते हुए, नर्मदा के तटीय क्षेत्र के 16 जिलों में 166 जैवविविधता प्रबंधन समितियों का गठन किया गया। इन समितियों के द्वारा नर्मदा तटीय क्षेत्र में जुलाई 2017 के प्रथम सप्ताह की अवधि में 2 लाख पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर बोर्ड द्वारा श्री अमृतलाल वेगड़ के नर्मदा नदी पर विचारों को रेखांकित करते हुए वृत्त चित्र बनाया गया है।

जल-वन-नर्मदा-भोपाल

सार्वजनिक रूप से यह बात सभी को स्वीकार्य है कि मानव कल्याण हेतु लगातार पानी की कमी हो रही है। वर्तमान परिवेश में देश व प्रदेश का हर प्रमुख शहर अपने पेय जल पूर्ति किसी न किसी नदी से ही कर रहा है। जब तक नदी कछार क्षेत्रों में पारिस्थितिकी एवं नदियों की पुर्नस्थापना नहीं की जावेगी, तब तक पानी की उपलब्धता और विषम होती जावेगी। ऐसी परिस्थितियों में नदियों की पुर्नस्थापना शहर की आबादी से जोड़ना नितांत आवश्यक है।

इस बात को ध्यान में रखते हुए बोर्ड द्वारा विश्व वानिकी दिवस (21 मार्च) एवं विश्व जल दिवस (22 मार्च) पर ''जल-वन-नर्मदा-भोपाल'' विषयक जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की श्रृंखला में रैली, चित्रकला, निबंध प्रतियोगिता तथा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय की बात है कि भोपालवासियों को यह विषयवस्तु काफी पसंद आया और वे नदी पुर्नस्थापन से खुद को जोड़ते नजर आ रहे है।

जल-वन-नर्मदा-भोपाल

सार्वजनिक रूप से यह बात सभी को स्वीकार्य है कि मानव कल्याण हेतु लगातार पानी की कमी हो रही है। वर्तमान परिवेश में देश व प्रदेश का हर प्रमुख शहर अपने पेय जल पूर्ति किसी न किसी नदी से ही कर रहा है। जब तक नदी कछार क्षेत्रों में पारिस्थितिकी एवं नदियों की पुर्नस्थापना नहीं की जावेगी, तब तक पानी की उपलब्धता और विषम होती जावेगी। ऐसी परिस्थितियों में नदियों की पुर्नस्थापना शहर की आबादी से जोड़ना नितांत आवश्यक है।

इस बात को ध्यान में रखते हुए बोर्ड द्वारा विश्व वानिकी दिवस (21 मार्च) एवं विश्व जल दिवस (22 मार्च) पर ''जल–वन–नर्मदा–भोपाल'' विषयक जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की श्रृंखला में रैली, चित्रकला, निबंध प्रतियोगिता तथा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय की बात है कि भोपालवासियों को यह विषयवस्तु काफी पसंद आया और वे नदी पुर्नस्थापन से खुद को जोड़ते नजर आ रहे है।

बीज बचाओ - कृषि बचाओ यात्रा

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा कृषि क्षेत्र में सिकुड़ती/कम होती जा रही स्थानीय किस्मों के संरक्षण की दिशा में जागरूकता हेतु प्रादेशिक स्तर पर ''बीज बचाओं–कृषि बचाओं यात्रा'' का आयोजन दो चरणों में किया गया। यह यात्रा श्री बाबू लाल दाहिया के नेतृत्व में एक दल द्वारा प्रदेश के 40 जिलों में 56 शिविरों का आयोजन कर 166 बीज प्रजातियां के 2052 नमूनें एकत्रित किये गये। इन प्राप्त बीजों का बोर्ड द्वारा भोपाल एवं पिथौराबाद में रोपण किया गया।

इस कार्यक्रम के तहत प्रदेश के जिलों में से कुल 224 बीज नायकों की पहचान की गयी तथा भविष्य में प्रत्येक जिला स्तर पर यह कार्यक्रम आयोजित करने की रणनीति है।

अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस (22 मई)

अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस हर वर्ष 22 मई को मनाया जाता है एवं इस वर्ष आई.यू.सी.एन. (IUCN) द्वारा वर्ष 2017 की विषयवस्तु ''विकास हेतु संवहनीय पर्यटन'' घोषित की गयी। इस अवसर पर बोर्ड द्वारा जन सामान्य का ध्यान आकर्षित करने हेतु जैवविविधता कैंप, भोपाल शहर में 10,000 पौधों का निशुल्क वितरण तथा राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त जिला स्तर पर जैवविविधता विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संवहनीय पर्यटन व खेतों में आग के मुद्दों को लेकर वृत्त चित्र भी बनाया गया।

ताप्ती पुर्नस्थापन कार्यक्रम

नर्मदा सेवा यात्रा प्रदेश की अन्य नदियों को भी पुर्नस्थापन करने की दिशा में अहम मुद्दों को रेखाकिंत करती है। इसी से प्रेरणा लेकर बोर्ड द्वारा मान. अर्चना चिटनिस, मंत्री, महिला एवं बाल विकास के मार्गदर्शन में ताप्ती पुर्नस्थापन कार्यक्रम प्रारंभ किया है।

ताप्ती पुर्नस्थापन के संबंध में भोलाना एवं 3 अन्य जैवविविधता प्रबंधन समितियां गठित की गई एवं 500 हेक्ट. के मिली जल ग्रहण क्षेत्र में नदी कछार क्षेत्र पुर्नस्थापना योजना बनाई गयी है। यह योजना वन विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही है। ताप्ती पुर्नस्थापन योजना नई दिल्ली विश्वविद्यालय के ईको रेस्टरेशन विशेषज्ञ प्रो. सी. आर. बाबू तथा उनके टीम द्वारा तैयार की गयी है। इससे प्रदेश के भविष्य की जल सुरक्षा का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

मड़बाल बीज रोपण व बीज गणेश कार्यक्रम

पर्यावरणीय पुर्नस्थापन एक वृहद कार्यक्रम है। वर्तमान में मध्यप्रदेश में 0.40 लाख हे. से ज्यादा बिगड़े वन मौजूद है जिनका पुर्नस्थापन बगैर प्रदेश की नदियों में पानी के प्रवाह को निरंतर किया जाना नामुमकिन है। इससे प्रदेश के भविष्य की जल सुरक्षा का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। पारिस्थितिकीय पुर्नस्थापन में पौधा रोपण की अहम भूमिका है।

इसी दिशा में मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा यह पहचान की है कि यह कार्य बीजा रोपण के माध्यम से भी किया जा सकता है। परन्तु ऐसे कार्य बहुत बड़े आकार का होगा। अतः इस दिशा में जन सामान्य को जागरूक करने व उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु ''मड़बाल बीज रोपण व बीज गणेश कार्यक्रम'' को भोपाल एवं सीहोर जिलों में प्रारंभ किया गया। इस कार्यक्रम को गणेश चथुर्ती के साथ जोड़ते हुए ''माटी गणेश–बीज गणेश–सजीव गणेश'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में 124 प्रशिक्षण के माध्यम से लगभग 25,000 लोगों द्वारा भाग लिया गया। इस कार्यक्रम के परिणाम काफी सकारात्मक रहे।

साइंस एक्सप्रेस

साइंस एक्सप्रेस कार्यक्रम पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, डी.एस.टी., भारतीय वन्यप्राणी संस्था एवं भारतीय रेलवे द्वारा संयुक्त रूप से विगत वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सुदूर अंचलों के स्कूली छात्र–छात्राओं को विज्ञान एवं पर्यावरण से परिचय व जागरूक करने की पहल है। जहां पर वातानुकूलित 13 कोच को पूरे देश में भ्रमण कराया जाता है। वर्ष 2017 की साइंस एक्सप्रेस की विषयवस्तु ''जलवायु परिवर्तन'' निर्धारित की गयी। यह एक्सप्रेस मध्यप्रदेश के बैतूल, भोपाल, बीना, खजुराहो स्टेशनों पर अवलोकन हेतु उपलब्ध रही।

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा जैवविविधता प्रबंधन समितियों के माध्यम से समीपवर्ती स्कूली छात्र–छात्राओं को साइंस एक्सप्रेस का अवलोकन कराया।

मीडिया कार्यशाला

जैवविविधता संरक्षण एवं जैवविविधता अधिनियम के मुददो के बारे में जब तक जन सामान्य में सही बात नहीं पहुंचती तब तक इस वृहद कार्यक्रम में जनता से समर्थन प्राप्त करना कठिन है। इस बात को ध्यान में रखते हुए प्रथम दृष्टया मीडिया को एवं मीडिया के माध्यम से जनता को इस दिशा में जागरूक करने हेतु भोपाल में मीडिया कार्यशाला का दिनांक 17.05.2017 को आयोजन किया गया, जिसमें 100 से अधिक मीडिया के प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया गया। इसके साथ समय–समय पर प्रेस नोट भी जारी किये गये। बोर्ड की इस पहल का सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए है।

व्यापारी व विनिर्माताओं के साथ परामर्श बैठक

जैव संसाधनों के व्यापारत्मक उपयोग करने वाले व्यापारी व विनिर्माताओं के द्वारा लाभ का अंश बोर्ड को उपलब्ध कराया जाना अधिनियम के तहत बंधनकारी है। लाभ प्रभाजन के मुख्य सरोकार व्यापारी व विनिर्माता है, परन्तु अधिनियम को लेकर इनमें काफी प्रतिरोध एवं भ्रामक स्थिति है। इन भ्रामक स्थिति को स्पष्ट करने की दिशा में बोर्ड द्वारा समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित कराये गये। व्यापारी व विनिर्माता के साथ भोपाल, श्योपुर, शिवपुरी तथा इंदौर में परामर्श बैठक आयोजित की गयी, जिससे भ्राम स्थिति दूर हो और प्रदेश में लाभ प्रभाजन जैवविविधता संरक्षण हेतु हासिल किया जा सके।

बोर्ड की इस व्यवस्था से व्यापारी व विनिर्माताओं को अधिनियम की समझ में वृद्धि हुई जिससे 189 आवेदन प्राप्त हुये है, जो कि प्रक्रियाधीन है।

मोगली बाल उत्सव

मोगली बाल उत्सव कार्यक्रम पूरे प्रदेश के चुनिंदा बच्चों को चयन करते हुए जैवविविधता जागरूकता हेतु प्रथमतः पेंच टाईगर रिजर्व, सिवनी में वर्ष 2005 में प्रारंभ किया गया। यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है। वर्ष 2017 के नवम्बर माह में यह कार्यक्रम शिवपुरी, बांधवगढ, पेंच एवं कान्हा राष्ट्रीय उद्यानों में आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम के आयोजन में मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड की अहम भूमिका निभाता है, इसके अंतर्गत बोर्ड द्वारा छात्र–छात्राओं को नेचर ट्रेल, पार्क का भ्रमण, ट्रेजर हंट एवं हेबिटेट सर्च के माध्यम से जैवविविधता के प्रति जागरूक करना है। मध्यप्रदेश ईको–टूरिज्म बोर्ड के द्वारा आयोजित अनुभूति कार्यक्रम भी इसी प्रकार का प्रदेश में पर्यावरण जागरूकता का एक अहम कार्यक्रम है।

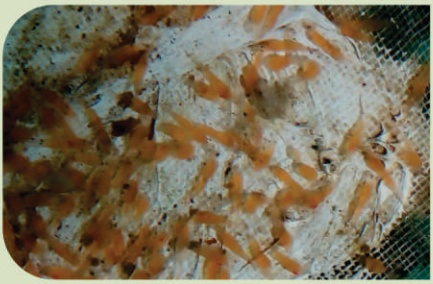

महाशीर संरक्षण

महाशीर मछली (टोर–टोर) मछली नर्मदा के लिए नेटिव मछली है। यदि नदी में महाशीर की उपलब्धता है, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि उस हिस्से में नर्मदा नदी निर्मल है, अर्थात नदी में महाशीर मछली की उपस्थिति नदी की निर्मलता का प्रतीक चिन्ह है। मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा 2 साल पहले महाशीर संरक्षण परियोजना बडवाह वन मण्डल में वन विभाग की मदद से प्रारंभ किया गया था जो कि अभी हाल ही में सफल कृत्रिम प्रजनन को हासिल किया है। टोर–टोर महाशीर मछली में सफल प्रजनन दुनिया का पहली ऐतिहासिक पहल है।

इस कार्यक्रम की सफलता में डॉ श्रीपर्णा व बड़वाह वनमण्डल की टीम की भूमिका प्रशंसनीय है।
कार्यक्रम से संबंधित अधिक जानकारी के लिए बोर्ड की वेबसाइट पर विजिट करें।

पृष्ठभूमि

- जैवविविधता में हो रही कमी को देखते हुये ब्राजील में वर्ष 1992 में अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता सम्मेलन आयोजित किया गया। इस संधि में किये गये वादों को पूरा करने के लिये भारत सरकार द्वारा जैवविविधता अधिनियम, 2002 तथा जैवविविधता नियम, 2004 अधिसूचित किया गया। अधिनियम के क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय जैवविविधता प्राधिकरण, चेन्नई, राज्य स्तर पर सभी राज्यों में राज्य जैवविविधता बोर्ड तथा स्थानीय निकाय स्तर पर जैवविविधता प्रबंधन समिति की त्रिस्तरीय संरचना बनाई गई है।

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड

- जैवविविधता अधिनियम, 2002 की धारा 63 में प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुये मध्यप्रदेश सरकार द्वारा मध्यप्रदेश जैवविविधता नियम, 2004 अधिसूचित किये गये तथा अधिनियम की धारा 22 अनुसार मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड का गठन 11 अप्रैल 2005 को किया गया।

बोर्ड के उद्देश्य

1. जैवविविधता का संरक्षण,
2. जैवविविधता का संवहनीय उपयोग,
3. जैविक स्त्रोत से उद्भूत लाभों का साम्यपूर्ण विभाजन

हमारा नज़रिया

हमारा नज़रिया–प्रदेश की प्रचुर जैवविविधता के संरक्षण एवं इसके संवहनीय उपयोग तथा जैव संसाधनों से प्राप्त होने वाले लाभों के समुचित बंटवारें पर आधारित ऐसा विकास जो लोगों को सशक्त कर सके।

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड

प्रथम तल, किसान भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल
फोन : 0755 – 2554539, 2554549, 2764911
फॅक्स : 0755 – 2764912, ई मेल – Email : mpsbb@mp.gov.in
वेबसाईट : www.mpsbb.nic.in